**डराने-धमकाने के लक्षण**

हर वो विद्यार्थी जिसे डराया-धमकाया गया हो या जो दूसरों को डरा-धमका रहा हो, वो अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया व कृत्य करेगा। विद्यार्थी के व्यवहार और स्वभाव भी विभिन्न प्रकार के कारणों की वजह से बदल सकते हैं। परन्तु, निम्नलिखित कुछ ऐसे लक्षण हैं जो यह दर्शा सकते हैं कि विद्यार्थी डराये-धमकाये जाने का अनुभव कर रहा है:

ऐसे लक्षण जिनपर अध्यापक ध्यान दे सकता है:

• आक्रामक व अविवेकपूर्ण बन जाता है

• लड़ाई-झगड़ों में शामिल होना शुरू करता है

• इस बारे में बात करने से मना करता है कि क्या गलत हो रहा है

• स्कूल ग्रेड कम होने शुरू हो जाते हैं।

कभी-कभार डराना-धमकाना कम प्रत्यक्ष हो सकता है। लक्षणों में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

• विद्यार्थी अक्सर अकेला है या उसे स्कूल में मैत्री समूहों से अलग किया जाता है

• विद्यार्थी स्कूल में बारबार तंग किए जाने, नकल उतारे जाने या हँसी उड़ाए जाने का शिकार बनता है

• कक्षा में बोलने की विद्यार्थी की क्षमता या इच्छा में बदलाव और विद्यार्थी असुरक्षित या भयभीत प्रतीत होता है।

ऐसे लक्षण जिन्हें माता-पिता सूचित कर सकते हैं:

• स्कूल जाना नहीं चाहता है

• स्कूल जाने के अपने तरीके या रास्ते बदलता है अथवा पैदल स्कूल जाने से घबराता है

• निद्रा की प्रवृत्तियों में बदलाव

• खाने-पीने की प्रवृत्तियों में बदलाव

• बार-बार रोता है, क्रोधित होता है और स्वभाव बदलता है

• चोट, कट व खरोंच लगने के अस्पष्ट कारण

• खोया हुआ या क्षतिग्रस्त सामान या कपड़े

• भूखे घर आना।

वो विद्यार्थी जिन्हें डराए-धमकाए जाने की संभावना अधिक होती है, उनमें निम्नलिखित की संभावना भी अधिक होती है:

• स्कूल से असंगत महसूस करने और स्कूल को नापसंद करने की

• स्कूल पर कोटि की मित्रता के अभाव की

• भावुकता के उच्च स्तरों का प्रदर्शन करने की जो अतिसंवेदनशीलता और प्रतिरोधक्षमता के निम्न स्तरों को दर्शाते हों

• मित्र समूहों द्वारा अच्छी तरह से स्वीकार न किए जाने की, वाद-विवाद से बचने की और सामाजिक तौर पर गैर-मिलनसार होने की

• आत्म-सम्मान के कम होने की

• अपेक्षाकृत निश्चयपूर्वक न होने की

• कुछ तरीकों से अलग होने की।

डराने-धमकाने वाला विद्यार्थी निम्नलिखित कर सकता है:

• समान पीड़ितों को बार-बार तंग कर सकता है, उनकी नकल उतार सकता है या उनका मज़ाक उड़ा सकता है

• दूसरों पर हावी होने या उन्हें नियंत्रित करने की ज़रूरत को बढ़ावा दे सकता है

• डराए-धमकाए जाने वाले व्यवहार का अनुभव करने वाले विद्यार्थी के प्रति कोई सहानुभूति नहीं दिखा सकता है

• एक ही पीड़ित को बार-बार वर्जित कर सकता है या उसकी अवहेलना कर सकता है

• बारंबार अपनी पीठ पीछे काना फूसी कर सकता है।

दूसरों को बार-बार डराने-धमकाने वाले विद्यार्थियों में निम्नलिखित की संभावना अधिक होती है:

• स्कूल से असंगत महसूस करने और स्कूल को नापसंद करने की

• बढ़िया नेतृत्व योग्यताओं का प्रदर्शन करने की

• बढ़िया मौखिक योग्यताओं का प्रदर्शन करने की और बातें बनाकर समस्या से अपने आप को बाहर निकालने की।

यह जानकारी कई स्रोतों से एकत्रित की गई है जिनमें शामिल हैं: ऑस्ट्रेलियन मनोवैज्ञानिक समिति के सुझाव पत्र http://www.psychology.org.au/publications/tip\_sheets/bullying/#s9 और मिलकर काम करना: डराने-धमकाने पर ध्यान देने हेतु माता-पिता के लिए एक टूलकिट http://education.qld.gov.au/studentservices/behaviour/qsaav/docs/toolkit-parents.pdf